



प्रश्न 1. 'आत्मत्राण' कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 2. 'आत्मत्राण' कविता अन्य प्रार्थनाओं से किस प्रकार अलग है ?

2018-19)

प्रश्न 3. 'आत्मत्राण' कविता में कवि की प्रार्थना सबसे भिन्न क्यों है?

2016-17)

प्रश्न 4. "आत्मत्राण" कविता में कवि किससे और क्या प्रार्थना करता है?

प्रश्न 5. सहायक न मिलने पर कवि ने ईश्वर से क्या प्रार्थना की है ? "आत्मत्राण" कविता के आधार पर लिखिए।

प्रश्न 6. "आत्मत्राण" कविता की पंक्ति "तव मुख पहचानूँ छिन-छिन में" का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 7. "आत्मत्राण" कविता में चारों ओर से दुखों से घिरने पर कवि परमेश्वर में विश्वास करते हुए भी अपने से क्या अपेक्षा करता है?

प्रश्न 8. "आत्मत्राण" कविता में कवि यह क्यों नहीं चाहता कि प्रभु उसकी विपत्तियों को दूर करें?

प्रश्न 9. 'आत्मत्राण' कविता के आधार पर बताइए कि दुख और कष्टों के आने पर कवि ईश्वर से क्या चाहता है?

प्रश्न 10. मनुष्य किन दिनों में ईश्वर को भूल जाता है?

प्रश्न 11. इस कविता से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

प्रश्न 12. कवि को परमात्मा से क्या-क्या अपेक्षाएँ नहीं हैं?

प्रश्न 13. हमें संकटों का सामना किस प्रकार करना चाहिए?

उप्रश्न 14. जीवन में विजय पाने का कवि ने कौन-सा मार्ग सुझाया है?

प्रश्न 15. कवि ईश्वर से कैसी शक्ति प्राप्त करना चाह रहा है?

प्रश्न 16. कवि ईश्वर से विश्वास बनाए रखने की प्रार्थना किस स्थिति के आने पर कर रहा है?

प्रश्न 17. कवि किन परिस्थितियों में बल-पौरुष बनाए रखने की कामना करता है?

प्रश्न 18. जीवन में विजय पाने का कवि ने कौन-सा मार्ग सुझाया है?